ाब्दसंसार

शब्द रूप परिवर्तन

HLP Project S&T Mission Mode Government Of India
Department of Speech-Language Pathology
AYJNIHH, Bandra MUMBAI 400 050.

ACKNOWLEDGEMENT

A systematic training material easily accessible to teachers and parents of the language disordered children, a cherished distant dream has become a reality. Thanks to Science and Technology Mission Mode, Govt. of India for helping us realize this, by providing financial assistance. Their regular review and suggestions enabled us critically evaluate the material.

We are indebted to Shri Rangasayee, Director, A.Y.J.N.I.H.H. for motivating us to take up this comprehensive project and providing continuous support and guidance at every stage of the project.

Such extensive material needed critical evaluation for which we are grateful to Dr. Vijayalakshmi Basavraj, Dy. Director (Tech.), A.Y.J.N.I.H.H. who gave invaluable suggestions and support.

We highly appreciate and thank Dr. Geetha Mukundan, Reader & Head, Department of Speech-Language Pathology, A.Y.J.N.I.H.H. for providing departmental facilities and steady support throughout the project. Our special thanks to Mrs. Varsha Gathoo, Reader and Head, Department of Education, A.Y.J.N.I.H.H., for the feedback and suggestions which helped us to improve upon our earlier drafts.

We thank Dr. Sureshkumar, Ex-Director of Kendriya Hindi Sansthan, Agra and Dr. Medha Karbhari - Adhyaru for their guidance in finalizing the list of vocabulary of the books.

We appreciate the co-operative and unconditional support provided by the respective Principals and Teachers of the following Special Schools for The Hearing Impaired in Delhi and Mumbai, who in spite of their busy schedule dedicated their valuable time for field testing the material without which the material would not have taken this shape.

Asha Special School, New Delhi, Association of Welfare of Handicap, Faridabad, New Delhi, Awaz Special School for Deaf, New Delhi, Koshish School for Deaf, Malad, Mumbai, M.P.K. Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Harayana, Pragati School for Deaf, Dadar, Mumbai, Premalabai Chavan School for Deaf, New Delhi, Rochiram Thandhani School for Hearing Handicapped, Chembur, Mumbai, Shivaji Park School for the Deaf, Mahim, Mumbai, Shruti School for Deaf, Juhu, Mumbai, Utkarsha School for the Deaf, Vile Parle, Mumbai, Welfare Center for Impaired, Sonepat, New Delhi, Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Gurgaon, New Delhi.

The parents of children with hearing impairment provided us with positive feedback on this material and stressed the utility and need for such material. We are highly indebted to them. A heart felt thanks to them.

Development of the books would have been incomplete without the support of the proofreaders. We take this opportunity to thank Mrs. Namrata Pawar, Hindi Section, A.Y.J.N.I.H.H. and Mr. Chandravir Banshidhar Yadav for proof reading the material.

We acknowledge Prof. J.C. Sharma for helping us with statistical analysis.

We are grateful to Mrs. Meenal Umrao and Mrs. Nayna Shinde for their umatched consistent and robust hardwork and sometimes working during odd hours to catch up with the project work.

The prompt support always provided by Mr. Nitin Warekar, Hardware Engineer, Establishment, Accounts and Hindi Section is greatly valued.

Usha Dalvi
Principal Investigator

Sadhana Relekar
Co Investigator

PROJECT DETAILS

Funded by : *S & T mission mode, Government of India.*

Conducted by : *Department of Speech-Language Pathology, Ali Yavar Jung National Institute for the Hearing Handicapped, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Bandra,, Mumbai - 50.*

Project Group:

- *Principal Investigator* : *Mrs. Usha Dalvi (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*
- *Co-Investigator* : *Ms. Sadhana Relekar (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*

Research Team:

- *Linguist* : *Dr. Rita Mathur*
- *Special Educator* : *Mrs. Bindiya Kamble*
- *Special Educator* : *Mrs. Sneha Tambe*

Illustrations:

- *Commercial Artist* : *Ms. Leena Teli*
  Ms. Varuna Naik

Layout and Visualization : *Sun Graphics*

Copy right:

All rights reserved. No part of this book may be reproduced stored in retrieval system, or transmitted in any means, electronic mechanical, photocopying, recorded or otherwise, without written permission of.................................

दो शब्द शिक्षकों एवम् अभिभावकों से

श्रवण बाधित बच्चों में भाषा ज्ञान के संवर्धन और परिवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहे हैं। परंतु इन प्रयासों की जानकारी केवल कुछ ही लोगों को है जो इस समस्या के प्रति जागरुक हैं। यह भी देखने में आया है कि श्रवण बाधित बच्चों में बोलने की क्षमता व भाषिक विकास के लिए आवश्यक सामग्री का भी अभाव है। ये बच्चे संपूर्ण रूप से स्वस्थ एवं मानसिक रूप से सामान्य होते हैं, परंतु केवल श्रवण विकलांगता के कारण भाषिक ज्ञान से वंचित रह जाते हैं। इस कमी को पूरा करने के लिये ही यह पुस्तक मालिका प्रस्तुत की जा रही है। इस पुस्तक मालिका में क्रमिक रूप से भाषा के जटिल रूपों को सरल चित्रों व सरल लेखन के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह पुस्तक मालिका तीन वर्गों में विभाजित है। प्रथम - वर्ण संसार, दूवितीय - शब्द संसार तथा तृतीय - वाक्य संसार। जैसा कि नाम से विदित है, यह पुस्तकमालिका क्रमश: वर्णमाला, शब्द संरचना और वाक्य विन्यास का ज्ञान कराती है। भाषा का ज्ञान कराने वाली पुस्तकें बहुत सी हैं जो हिंदी की सभी व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान कराती हैं, किंतु सभी पुस्तकें पाठ्यक्रम के अनुसार निर्मित हैं और सामान्य विद्यार्थी के लिए लाभप्रद भी है, पर ये श्रवण बाधित बच्चे अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के कारण उन पुस्तकों का लाभ नहीं उठा पाते। श्रवण विकलांगता के कारण वे प्राय: भाषा सीखने और उसके बहुत से प्रयोगों, उदाहरण स्वरूप भाषा के अलंकारिक प्रयोग से अनभिज्ञ रह जाते हैं। अत: इन बच्चों की शब्द आधारित भाषा सीखने की असमर्थता को ध्यान में रखते हुए ही इस पुस्तक मालिका की रचना की गई है।

'वर्ण संसार' की पुस्तिकाएँ वर्णो के आकार और रूप का ज्ञान कराती हैं। 'शब्द संसार' की पुस्तिकाएँ शब्दों के विभिन्न प्रयोगों और उनके व्यापक अर्थ का परिवर्धन कराती हैं तथा 'वाक्य संसार' की पुस्तिकाएँ विभिन्न वाक्यों की संरचना एवं हिंदी व्याकरण की जटिलताओं को सरल रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास करती हैं। इस पुस्तक मालिका से दो वर्ष से आठ वर्ष के आयु वर्ग के श्रवण बाधित बच्चों में भाषा विकास संपूर्ण रूपसे हो जाएगा, यह समझना सही नहीं होगा। परंतु इस पुस्तक मालिका का प्रयोग इन बच्चों के अध्यापकों, अभिभावकों एवं अन्य वे सभी जो भाषा अल्पता एवं शुद्धता की समस्या को सुलझाना चाहते हैं, उनका पथ एवं दिशा निश्चित करने में सहायक होगी। साथ ही यह पुस्तकमालिका सभी बच्चों में भाषा अर्जन, बोलना, वाचन और लेखन क्षमताओं का विकास करने में भी सहायक सिद्ध होगी। कृपया इस विषय में अपने अनुभव हमें अवश्य बताएँ। इस पुस्तक मालिका को सहायक सामग्री के रूप में और अधिक परिवर्धित एवं उपयोगी करने की दिशा में आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

धन्यवाद ...

शब्द रूप परिवर्तन

इस पुस्तिका में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण के रूप अर्थ के कारण या दूसरे शब्दों के संबंध से किस प्रकार बदलते हैं यह सिखाने का प्रयास किया गया है। उदाहरण स्वरूप संज्ञा शब्द, वचन और लिंग के अनुसार बदलते हैं। अत: बच्चों को वचन और लिंग का ज्ञान कराते हुए संज्ञा शब्द किस तरह से बदलते हैं, इस पर समुचित प्रकाश डाला गया है। इसी तरह सर्वनाम शब्द, क्रिया शब्द तथा विशेषण शब्दों को भी सम्मिलित किया गया है।

निम्नलिखित कोटियों को इस पुस्तिका में सम्मिलित किया गया है:

* लिंग
* वचन
* विकारी रूप
* सर्वनाम

नोट : इस पुस्तिका में संज्ञा शब्द, सर्वनाम शब्द, क्रिया शब्द तथा विशेषण शब्दों के परिवर्तन पहचानने के नियम सीमित है। इस कारण जब भी मौका मिले तब बच्चों को अन्य नियमों से भी सही संदर्भ में परिचित करें।

पाठ्यसूची

क्र.	पाठ	पृष्ठ क्र.
1.	लिंग	1
2.	सजीव के लिंग भेदानुसार क्रिया रुप	8
3.	निर्जीव के लिंग भेदानुसार क्रिया रुप	12
	पुनरावलोकन	18
4.	वचन के अनुसार क्रिया रुप परिवर्तन	20
5.	लिंग और वचन के अनुसार क्रिया रुप परिवर्तन	23
6.	संज्ञा के विकारी रुप	29
	पुनरावलोकन	34
7.	विशेषण के रुप परिवर्तन	36
8.	सर्वनाम के रुप परिवर्तन	41
	पुनरावलोकन	45

पाठ 1

लिंग

वाक्य बनाने के लिए संज्ञा या सर्वनाम और क्रिया होना जरुरी होता है, इसके साथ-साथ हम विशेषण, क्रिया विशेषण, कारक इनका भी उपयोग करते हैं। एक सही वाक्य बनाते समय उस वाक्य में आनेवाली क्रिया या विशेषण का रुप लय, संज्ञा के लिंग और वचन के अनुसार होना चाहिए। इस पाठ में हम सीखेंगे कि संज्ञा का लिंग कैसे पहचाने ?

संज्ञा शब्द के जिस रूप से पता चलता है कि वह 'पुरूष' जाति का है या 'स्त्री' जाति का है - उस रूप को **लिंग** कहते हैं। लिंग के दो प्रकार होते हैं- **1) पुल्लिंग 2) स्त्रीलिंग**

1) पुल्लिंग-जो शब्द पुरूष जातिका बोध कराते हैं वे शब्द पुल्लिंग होते हैं।

जैसे आदमी, लड़का, शिक्षक,बकरा, मुर्गा... आदि

2) स्त्रीलिंग- जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं वे शब्द स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे औरत, लड़की, शिक्षिका, बकरी, मुर्गी.....आदि

इस पाठ में हम लिंग भेद सीखेंगे:

संज्ञा का लिंग कैसे पहचाने?

संज्ञा शब्द दो प्रकार के होते हैं।
1) प्राणिवाचक (सजीव)
2) अप्राणिवाचक (निर्जीव)

प्राणिवाचक संज्ञाओं का लिंग पहचानना आसान होता है। अगर वे पुरुष जाति का बोध कराते हैं तो वे पुल्लिंग हैं। अगर वे स्त्री जाति का बोध कराते हैं तो वे स्त्रीलिंग होते हैं।नीचे कुछ प्राणिवाचक और अप्राणिवाचक संज्ञा शब्द दिये हैं जो हमेशा स्त्रीलिंग और पुल्लिंग होते हैं। नीचे ऐसे ही कुछ शब्द दिये हैं।

सदैव पुल्लिंग

दिनों के नाम (सोमवार, बुधवार)
पर्वतों के नाम (हिमालय, सतपुड़ा)
आकारांत अंतवाले शब्द (बूढ़ा, घोड़ा)

कुछ वस्त्रों के नाम-

कोट, पजामा, कुर्ता, जुराबें, रुमाल, घाघरा, गाऊन

सब्जियों के नाम-

टमाटर, बैंगन, आलू, लहसून, कदद्, खीरा

फलों के नाम-

संतरा, आम, अनार, अननस, केला, अमरुद, खरबूजा, खजूर

खाने के पदार्थों के नाम-

परांठा, समोसा, चावल, पुलाव, रायता, हलवा, लडडू चने, डोसा

शरीर के अंग-

बाल, नाखून, कान, हाथ, कंधा, पैर, मुँह, होंठ, अंगूठा, सिर, दाँत

बर्तनों के नाम-

प्याला, चमचा, कटोरा, पतीला, गिलास, स्टोव, थाल

सदैव स्त्रीलिंग

नदीयों के नाम (गंगा, यमुना, कावेरी आदि)
भाषा या बोली के नाम (हिंदी, अंग्रेजी)
'इया' अंतवाले शब्द (खटिया, कुटिया)

कुछ वस्त्रों के नाम-

कमीज, पैन्ट, साडी, चुनरी, पगडी, चडडी, टाई, धोती

सब्जियों के नाम-

गोभी, मूली, मूँगफली, भिंडी, मिर्च, लौकी, ककडी, गाजर

फलों के नाम-

लीची, ककडी, अंजीर, मोसंबी, नाशपाती

खाने के पदार्थों के नाम-

दाल, आइसक्रीम, सब्जी, खीर, जलेबी, कचौडी, इडली

शरीर के अंग-

ऊँगली, जीभ, हथेली, टाँग, कलाई, एड़ी, गर्दन,,

बर्तनों के नाम-

चम्मच, बाल्टी, थाली, पतीली, कटोरी, कड़छी, प्याली

पुल्लिग से स्त्रीलिंग बनाने के नियम होते हैं। नीचे कुछ नियम दिए है।

जैसे

1) कुछ शब्दों के अंत में आनेवाले 'अ' की जगह 'आ' लगाने से स्त्रीलिंग शब्द बनते हैं।

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
छात्र	छात्रा	वृद्ध	वृद्धा
महोदय	महोदया	शिष्य	शिष्या

2) कुछ शब्दों के अंत में आनेवाले 'अ' या 'आ' की जगह 'ई' लगाकर

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
देव	देवी	दादा	दादी
दास	दासी	गधा	गधी
ऊँट	ऊँटनी	चाचा	चाची

3) कुछ शब्दों के अंत में आनेवाले 'आ'की जगह 'इया' लगाकर

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
कुत्ता	कुतिया	चिडा	चिड़िया
डिब्बा	डिबिया	बूढ़ा	बुढ़िया
बेटा	बिटिया	चूहा	चुहिया

4) कुछ व्यवसाय सूचक पुल्लिंग शब्दों के अंतिम स्वर या व्यंजन को 'इन' लगाकर

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
धोबी	धोबिन	नाई	नाईन
माली	मालिन	सुतार	सुतारिन

5) पशु पक्षी के संज्ञा शब्दों को स्त्रीलिंग में बदलने के लिए कुछ शब्दों के अंत में 'इन' और कुछ शब्दों के अंत में 'नी' लगाते हैं।

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
बाघ	बाघिन	घोड़ा	घोड़ी
नाग	नागिन	मुर्गा	मुर्गी

6) कुछ पुल्लिंग शब्द ऐसे भी होते हैं जिनमें ये नियम नहीं लगते और वे स्त्रीलिंग भिन्न रुप लेते हैं ।

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
पिता	माता	राजा	रानी
पुरुष	स्त्री	साधु	साध्वी
मर्द	औरत	सास	ससुर
नर	मादा	पति	पत्नी
फूफा	बुआ	कवि	कवियित्री
गाय	बैल		

निम्नलिखित शब्द पढ़िए और समझिए।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
आदमी	औरत
लड़का	लड़की
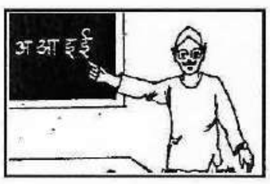 शिक्षक	शिक्षिका
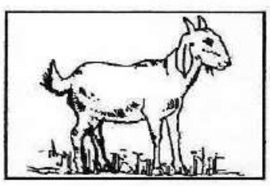 बकरा	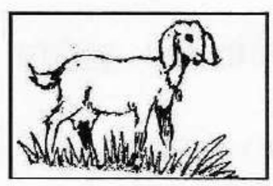 बकरी
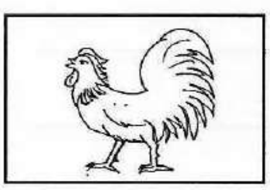 मुर्गा	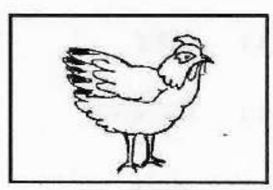 मुर्गी

I) निम्नलिखित प्राणिवाचक शब्दों के लिंग पहचानकर ( )लगाइए।

जैसे: दासी- स्त्रीलिंग/पुल्लिंग

1) गधा = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

2) बिल्ली = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

3) औरत = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

4) शेर = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

5) बैल = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

6) चूहा = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

7) रानी = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

8) भाई = पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

II) निम्नलिखित शब्दों के लिंग लिखिए।

जैसे- गाय- स्त्रीलिंग

1) मास्टर = ____________________

2) सेठानी = ____________________

3) कवि = ____________________

4) महारानी = ____________________

5) दादी = ____________________

6) नाना = ____________________

7) मोर = ____________________

8) नायक = ____________________

III) निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए।

जैसे- राजा-रानी

1) पुरुष = ________ 6) लड़का = ________

2) नौकर = ________ 7) कुत्ता = ________

3) सेवक = ________ 8) धोबी = ________

4) नाना = ________ 9) शेर = ________

5) बैल = ________ 10) नाग = ________

IV) निम्नलिखित शब्दों के पुल्लिंग रूप लिखिए।

जैसे- शिक्षिका-शिक्षक

1) उँटनी = ________ 10) नौकरानी = ________

2) बिटिया = ________ 11) चुहिया = ________

3) नाईन = ________ 12) गाय = ________

4) औरत = ________ 13) बहन = ________

5) गायिका = ________ 14) सेठानी = ________

6) गुड़िया = ________ 15) पत्नी = ________

7) बुआ = ________ 16) चाची = ________

8) महोदया = ________ 17) देवी = ________

9) घोड़ी = ________ 18) शेरनी = ________

पाठ 2

सजीव के लिंग भेदानुसार क्रिया रूप

संज्ञा के दो प्रकार हैं। 1) सजीव, जैसे- आदमी, जानवर, पंछी, पेड़ इत्यादि। 2) निर्जीव, जैसे - मेज, धातु, कपड़े, पत्थर इत्यादि। इस पाठ में हम सजीव संज्ञा के लिंग भेदानुसार क्रिया का रुप कैसे बदलता है, यह सीखेंगे।

वाक्य लिखते समय संज्ञा शब्द के लिंग भेदानुसार क्रिया का सही रूप लिखना भी बहुत जरुरी होता है। यदि संज्ञा पुल्लिग है तो क्रिया का रूप भी पुल्लिंग होना चाहिए। जैसे- लड़का चलता है। इस वाक्य में लडका -यह शब्द **पुल्लिंग** है इसलिए चलना इस मूल क्रिया का **पुल्लिंग रूप** चलता है उचित होगा।

इसी तरह लडकी चलती है। इस वाक्य में लड़की- यह शब्द **स्त्रीलिंग** है इसलिए चलना इस मूल क्रिया का **स्त्रीलिंग रूप** चलती है उचित होगा।

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
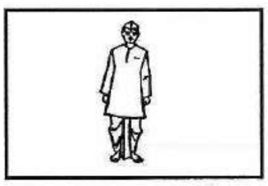 **आदमी खड़ा है।**	**औरत खड़ी है।**
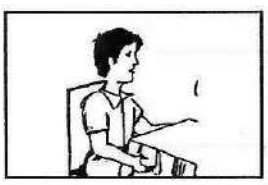 **लड़का बैठा है।**	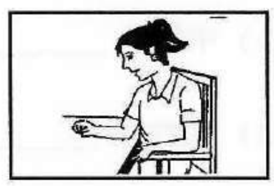 **लड़की बैठी है।**
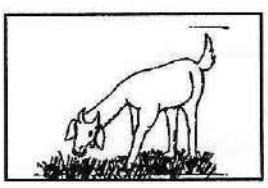 **बकरा घास खाता है।**	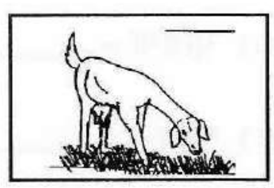 **बकरी घास खाती है।**
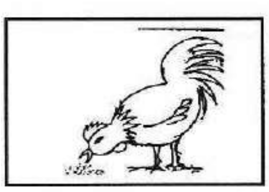 **मुर्गा दाने चुगता है।**	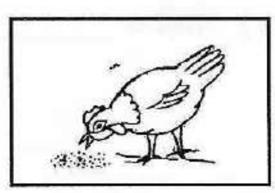 **मुर्गी दाने चुगती है।**

इन सभी वाक्यों से यह पता चलता है कि जब **संज्ञा पुल्लिग** होती है तब उससे जुड़ी हुई **क्रिया आकारांत** होती है। जैसे मुर्गा दाने चुगता है। और संज्ञा **स्त्रीलिंग** होने पर उससे जुड़ी **क्रिया इकारांत** होती है। जैसे मुर्गी दाने चुगती है।

और कुछ वाक्य पढ़िए और समझिए।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
भाई खत लिखता है।	बहन खत लिखती है ।
बेटा दौडता है ।	बेटी दौड़ती है ।
बच्चा भागता है ।	बच्ची भागती है।
बूढ़ा देखता है ।	बुढ़िया देखती है।
मामा खत पढ़ता है।	मामी खत पढ़ती है।
सेवक काम करता है।	सेविका काम करती है।
धोबी कपड़े धोता है।	धोबिन कपड़े धोती है।
बैल घास खाता है ।	गाय घास खाती है ।
नौकर आता है।	नौकरानी आती है।
शेर सोता है ।	शेरनी सोती है।
लड़का उठता है।	लड़की उठती है।
गायक गाता है।	गायिका गाती है।
लेखक लिखता है।	लेखिका लिखती है।
मित्र सुनता है।	सहेली सुनती है।
बंदर कूदता है ।	बंदरिया कूदती है।
तोता उडता है।	मैना उडती है ।

क्रिया के लिंग से संज्ञा का लिंग कैसे पहचांने? जब क्रिया के अंत में 'ता' होता है तो क्रिया आकारांत होती है। तो उससे जुड़ी संज्ञा पुल्लिग होती है। जैसे लड़का भागता है। इस वाक्य में भागता यह क्रिया आकारांत है। इसलिए लड़का यह संज्ञा पुल्लिग है। वैसे ही जब क्रिया इकारांत होती है तब उससे जुड़ी संज्ञा स्त्रीलिंग होती है। जैसे लड़की भागती है। भागती यह क्रिया इकारांत है। इसलिए लड़की यह संज्ञा स्त्रीलिंग है।

I) निम्नलिखित क्रियाओं के स्त्रीलिंग-पुल्लिंग भेद लिखिए ।

जैसे- तोता अमरुद खाता है। क्रिया-खाता-पुल्लिंग

1) कुत्ता भौंकता है। = ____________

2) घोड़ी पानी पीती है। = ____________

3) बंदर कूदता है। = ____________

4) राजा आता है। = ____________

5) सेठानी बैठती है । = ____________

6) माँ खाना बनाती है। = ____________

II) संज्ञानुसार क्रिया का सही रुप चुनिए और उसपर गोल कीजिए ।

जैसे- लड़का दौड़ती है।
दौड़ता

1) गाय घास खाता है।
खाती

2) बंदर पेड़ पर चढ़ता है।
चढ़ती

3) औरत गाना गाती है।
गाता

4) घोड़ा तेज दौड़ती है।
दौड़ता

5) रानी पलंग पर सोता है।
सोती

6) राम स्कूल जाती है।
जाता

III) क्रिया के अनुसार संज्ञा का सही रुप चुनिए और गोल कीजिए।

जैसे- घोड़ा दौड़ती है।
घोड़ी

1) नौकर काम करता है।
नौकरानी

2) शिक्षक कुर्सी पर बैठी है।
शिक्षिका

3) भाई खत लिखती है।
बहन

4) बैल खेतो में काम करता है।
गाय

5) चूहा इधर-उधर भागता है।
चुहिया

6) ऊँटनी बोझ उठाता है।
ऊँट

IV) निम्नलिखित तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए।

लड़का बाघ शेरनी हाथनी ऊँट सहेली	भागता / भागती दौड़ता / दौड़ती खाता / खाती पीता / पीती आता / आती	है।

जैसे- लड़का भागता है।

____

____

____

____

____

____

V) रेखांकित संज्ञा के लिंग बदलिए और उसके अनुसार क्रिया का सही रुप लिखकर वाक्य फिरसे लिखिए।

जैसे- <u>मुन्नी</u> रोती है। = मुन्ना रोता है।

1) <u>गधा</u> चलता है। = ________________

2) <u>गाय</u> बैठी है। = ________________

3) <u>बेटी</u> पढती है। = ________________

4) <u>राजा</u> सोता है । = ________________

5) <u>बच्ची</u> हँसती है। = ________________

6) <u>साधू</u> जप करता है। = ________________

7) <u>माताजी</u> मंदिर जाती है। = ________________

8) <u>नाग</u> डँसता है। = ________________

9) <u>डिब्बा</u> भरा हुआ है। = ________________

10) <u>धोबिन</u> कपड़े धोती है। = ________________

पाठ 3

निर्जीव के लिंग भेदानुसार क्रिया रुप

पिछले पाठ में हम ने सजीवों के लिंग भेद देखे। जैसे सजीवों के लिंग भेद होते हैं वैसे निर्जीवों के (अप्राणिवाचकों में) नहीं होते हैं । संज्ञा या तो स्त्रीलिंग होती है या पुल्लिग होती है। उसका रुप स्त्रीलिंग से पुल्लिग अथवा पुल्लिग से स्त्रीलिंग में बदलता हैं।

जैसे -लड़का-लड़की

मुर्गा-मुर्गी

नौकरानी-नौकर

नानी-नाना

मगर निर्जीव संज्ञा के इस तरह बदल नहीं होते हैं।

प्राणिवाचक संज्ञा में स्त्रीलिंग से पुल्लिग बनाने के लिए हमने कुछ नियम देखें। वैसे नियम अप्राणिवाचक (निर्जीव) संज्ञाओं के लिए प्रयोग नहीं कर सकते हैं क्योंकि अप्राणिवाचक संज्ञा का ऐसे परिवर्तन नहीं होता है।

जैसे - ग्रंथ-<u>ग्रंथी</u>

शाला-<u>शाली</u>

बस्ता-<u>बस्ती</u>

उपर दिए गये रेखांकित शब्द ग्रंथी, शाली और बस्ती निर्जीव संज्ञा के गलत रुप है। क्योंकि निर्जीव संज्ञा का ऐसे परिवर्तन नहीं होता है। संज्ञा या तो स्त्रीलिंग होती है या पुल्लिग।

कुछ निर्जीव संज्ञा शब्द के स्त्रीलिंग और पुल्लिग रुप सीखेंगे।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
घंटा	घंटी	पेन	पेंसिल
सोफा	कुर्सी	छुरा	छुरी
दरवाजा	खिड़की	किला, घर	इमारत
बस्ता	कापी, किताब	महल	झोपड़ी
ग्रंथ	पुस्तक	रास्ता	सड़क
थैला	थैली	कुर्ता	कुर्ती
लोटा	लुटिया	डिब्बा	डिब्बी
विद्यालय	पाठशाला	छाता	छतरी
पर्चा	पर्ची	पहाड़	पहाड़ी
आरा	आरी	ट्रक	बस
जूता	चप्पल	समुद्र, झरना, तालाब	नदी, झील
पेड़, पौधा	झाड़ी	ताला	चाबी
आसमान	जमीन	थाल	थाली
टोकरा	टोकरी	रस्सा	रस्सी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
गद्दा	रजाई	तकिया	चद्दर
चित्र	तस्वीर	खत, पत्र	चिट्ठी
फूल,फल	सब्जी	डंड़ा	डंड़ी
टेबल	कुर्सी	पतीला	पतीली

निर्जीव संज्ञा शब्द के लिंग भेद कैसे पहचानेंगे?

निर्जीव संज्ञा शब्द पुल्लिंग हैं, या स्त्रीलिंग है, ये विशेषण के लिंग के आधार से पहचाने जा सकते हैं।

जैसे-कमरा बड़ा है। विशेषण बड़ा - जो पुल्लिंग है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
घंटा **बड़ा** है।	बेल बहुत **लंबी** है ।
पेड़ बहुत **घना** है।	कापी **छोटी** है।
जूता **छोटा** है।	चप्पल **छोटी** है।
तालाब **गहरा** है।	नदी **गहरी** है।

I) निम्नलिखित संज्ञा के लिंग पहचानिए और लिखिए ।

जैसे- अलमारी- स्त्रीलिंग

1) कापी = __________ 6) किताब = __________

2) बगीचा = __________ 7) जूता = __________

3) रास्ता = __________ 8) बोतल = __________

4) गिलास = __________ 9) मेज = __________

5) तस्वीर = __________ 10) दरवाजा = __________

II) निम्नलिखित शब्दों को लिंग के अनुसार विभाजित कीजिए।

दरवाजा, घर, पाठशाला, कुर्सी, घड़ी, आँगन, बगीचा, फूल, हार, दीवार, अटैची, फलक, लोटा, छुरी, नाव, टोकरी, कक्षा, बेंच, टि.व्ही., मेज, जमीन, आसमान, तारा, चाँद, टोपी

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
दरवाजा	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________

III) वाक्य पढ़िए। विशेषण के आधार पर संज्ञा का लिंग पहचानिए।

जैसे- सबसे <u>छोटी घंटी</u> उठाइए - घंटी-स्त्रीलिंग

मेरा आम मीठा है।
तालाब बड़ा है।
हम कच्ची सड़क पर चल रहे हैं।
यह रजाई छोटी है।
उसका थैला गंदा है।
उसकी कमीज गंदी है।
इमली खट्टी होती है।

जिस प्रकार सजीव संज्ञा शब्द रूप बदलते हैं उसी प्रकार निर्जीव संज्ञा शब्दों के लिंग के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है ।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
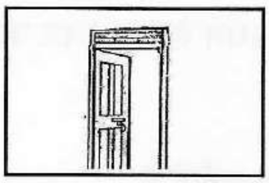	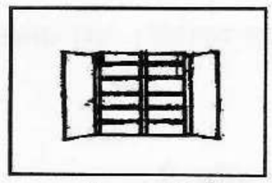
यह दरवाजा है दरवाजा खुला है।	यह खिड़की है। खिड़की खुली है।
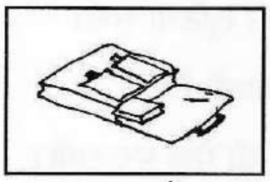	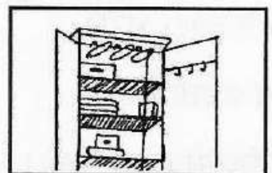
यह बस्ता है। बस्ता खुला है।	यह अलमारी है। अलमारी खुली है।
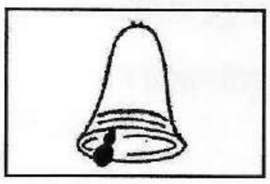	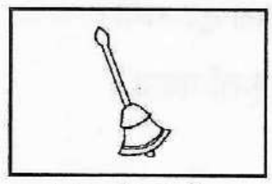
घंटा बड़ा है। घंटा बजता है।	घंटी छोटी है । घंटी बजती है।
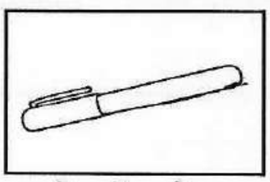	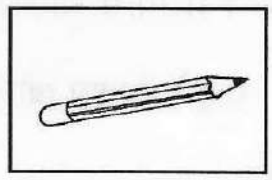
पेन मेरा है। पेन अच्छा लिखता है।	पेंसिल मेरी है। पेंसिल अच्छी लिखती है।
यह घर मेरा है। घर सुंदर दिखता है।	यह पाठशाला मेरी है। पाठशाला सुंदर दिखती है।

क्रिया के रुप से निर्जीव संज्ञा का लिंग कैसे पहचाने?

जब क्रिया के अंत में 'आ' होता है (क्रिया जब आकारांत होती है) तब उससे संबंधित संज्ञा पुल्लिग होती है। जैसे- जूता खरीदा। इस वाक्य में खरीदा यह क्रिया आकारांत है। इसलिए उससे जुड़ी संज्ञा जूता यह पुल्लिग है।

इसी तरह चप्पल खरीदी। इस वाक्य में 'खरीदी' यह क्रिया इकारांत है। इसलिए उससे जुडी संज्ञा स्त्रीलिंग है।

जूता महँगा है।	चप्पल महँगी है।
मैंने डिब्बा खरीदा।	मैंने डिब्बी खरीदी।
मीना ने लोटा भरा।	मीना ने लुटिया भरी।
झरना बहता है।	नदी बहती है।
मैंने डंडा मेज पर रखा।	मैंने डंडी मेज पंर रखी।
मैंने कंगन खरीदा।	मैंने चूड़ी खरीदी।
गिलास टूट गया।	बोतल टूट गयी।
मैंने कुर्ता पहना।	मैंने कुर्ती पहनी।

I) निम्नलिखित क्रियाओं के स्त्रीलिंग/पुल्लिग भेद लिखिए।

जैसे- लड़के ने अलमारी खोली। = संज्ञा-अलमारी- स्त्रीलिंग, क्रिया - खोली- स्त्रीलिंग

1) राजू ने किताब खोली। = ________________

2) मीना ने छाता खरीदा। = ________________

3) बोतल रखी है। = ________________

4) मैंने रस्सी बाँधी। = ________________

5) पिताजी ने कलाई पर रुमाल बाँधा। = ________________

II) क्रिया के सही रूप पर गोल कीजिए।

जैसे- मैंने आम (खाया)
खायी

1) राजू ने चप्पल खरीदा।
खरीदी।

2) रीमा ने छाता खोला ।
खोली ।

3) आज विद्यालय खुली है।
खुला

4) नर्मदा नदी बड़ी है।
बड़ा

5) पिताजी ने साड़ी खरीदी।
खरीदा

III) निम्नलिखित तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए।

माँ लड़के राजू बेटी पिताजी	ने	खिलौना साड़ी कपड़ा घड़ी	खरीदा / खरीदी । फेंका / फेंकी । देखा / देखी । रखा / रखी ।

जैसे- माँ ने खिलौना खरीदा।

____
____
____
____
____

पुनरावलोकन

I) निम्नलिखित संज्ञाओं के लिंग पहचानिए और लिखिए। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

पेंसिल	-----
ताला	------
घंटा	-------
चटाई	-------
दरवाजा	-------
किताब	-------
फूल	------
चद्दर	--------
बगीचा	------
छाता	--------

II) निम्नलिखित संज्ञा के लिंग बदलकर लिखिए।

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
राजा	---------
बंदर	----------
---------	शेरनी
लेखक	----------
---------	चुहिया
मित्र	-----------
----------	नारी
मुर्गा	---------
----------	औरत
नौकर	-----------

III) रेखांकित संज्ञा के लिंग पहचानिए। (पुल्लिग / स्त्रीलिंग)

1) मास्टर जी कहानी सुनाते हैं।
2) नीता का घर बड़ा है।
3) तोता अमरुद खाता है।
4) रानी महल में बैठी है।
5) नदी में नाव तैरती है।
6) राजू ने नयी कमीज खरीदी।
7) बच्चा रोता है।
8) उसने अच्छी घडी पहनी है।
9) पंछी उड़ता है।
10) नौकरानी कपड़े धोती हैं।

IV) रेखांकित क्रियाओं के लिंग रुप पहचानिए। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

1) वह गाना गाएगी ।
2) घोड़ा रेस में दौडा ।
3) रीमा ने छाता खोला ।
4) मैंने ताजमहल देखा ।
5) वह फर्श पोंछती है ।
6) घोड़ा तेज दौड़ता है।
7) उसने चींटी मारी।
8) धोबी ने गठरी बाँधी।
9) चर्च का घंटा बजा।
10) दादाजी ने चिठ्ठी लिखी।

V) सही क्रिया लिखकर वाक्य पूरा कीजिए।

1) लड़की ने किताब ------ (पढ़ी / पढ़ा)
2) हाथी धीरे-धीरे ------- है । (चलती / चलता)
3) शेरनी ------ है । (दहाड़ती / दहाड़ता)
4) कवि कविता ------- है । (लिखता / लिखती)
5) बंदर ------- है । (कूदती / कूदता)
6) पेड़ गिर ----- (गया/गयी)
7) माँ ने पतीला ------- (उठायी/उठाया)
8) राजू ने पेन्सिल ------ (खरीदा/खरीदी)
9) पुलिस ने ट्रक ------- (रोका/रोकी)
10) रिया ने खीर ----- (चखी/चखा)

पाठ 4

वचन के अनुसार क्रिया का रुप परिवर्तन

इस पाठ में संज्ञा शब्द वचन के अनुसार किस प्रकार बदलते हैं, यह सिखाया गया है । **वचन क्या है** ? शब्द के जिस रुप से संख्या का बोध होता है उसे वचन कहते हैं। याने उसके एक या अनेक होने का बोध होता है। जैसे एक लड़का, अनेक लड़के।

वचन दो प्रकार के होते हैं -

एकवचन -जहाँ एक वस्तु का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे एक लडका, एक कौआ इत्यादि।

बहुवचन - जहाँ एक से अधिक वस्तुओं का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे लड़के, कौए इत्यादि।

सजीव **निर्जीव**

एक औरत

बहुत औरतें

एक बोतल

बहुत बोतलें

एक लड़का

बहुत लड़के

एक गाड़ी

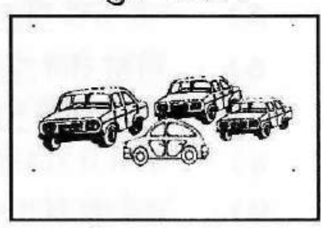
अनेक गाड़ियाँ

पुल्लिग में सिर्फ **आ** पर खत्म होने वाले शब्द बदल कर **ए** हो जाता है। जैसे लड़**का**-लड़**के**, कु**त्ता**-कु**त्ते**

अपवाद - पुल्लिग आ की मात्रा वाले शब्द जो रिश्ते हैं या एक ही होते हैं। जैसे- चंद्रमा, पिता, काका, चाचा, नेता, राजा, मामा, दादा ..... नहीं बदलते।

स्त्रीलिंग में **अ** पर खत्म होने वाले शब्द के अंत में **एं** लगता है। जैसे- तस्वीर-तस्वी**रें**, किता**ब**-किता**बें**

आ पर खत्म होने वाले शब्द के अंत में **एँ** लगता है। जैसे- कु**आ**-कु**एँ**

इ या **ई** पर खत्म होने वाले शब्द के अंत मे **याँ** लगता है। जैसे-बक**री**- बक**रियाँ**, **घड़ी-घड़ियाँ**

उ या **ऊ** पर खत्म होने वाले शब्द बदलकर **उएँ** होते हैं। जैसे- झाड़ू-झा**डुएँ**

या पर खत्म होने वाले शब्द के अंत में **याँ** लगता है। जैसे- चिड़ि**या**-चिड़ि**याँ**

I) निम्नलिखित शब्द पढ़िए और समझिए।

	सजीव			निर्जीव	
	एकवचन	बहुवचन		एकवचन	बहुवचन
1)	लड़का	लड़के	1)	कुर्सी	कुर्सियाँ
2)	बेटा	बेटे	2)	मूर्ती	मूर्तियाँ
3)	बेटी	बेटियाँ	3)	आँख	आँखें
4)	माता	माताएँ	4)	टोपी	टोपियाँ
5)	चिड़िया	चिड़ियाँ	5)	झोपड़ी	झोपड़ियाँ
6)	बकरा	बकरे	6)	जलेबी	जलेबियाँ
7)	बकरी	बकरियाँ	7)	झाड़ू	झाडुएँ
8)	कौआ	कौए	8)	किताब	किताबें
9)	चूहा	चूहें	9)	दुकान	दुकानें
10)	मुर्गा	मुर्गे	10)	सड़क	सड़कें
11)	मुर्गी	मुर्गियाँ	11)	तारा	तारे
12)	बत्तख	बत्तखें	12)	अलमारी	अलमारियाँ
13)	तितली	तितलियाँ	13)	घड़ी	घड़ियाँ
14)	मछली	मछलियाँ	14)	रोटी	रोटियाँ
15)	बिल्ली	बिल्लियाँ	15)	खिड़की	खिड़कियाँ
16)	कुत्ता	कुत्ते	16)	दरवाजा	दरवाजे
17)	घोड़ा	घोड़े	17)	पौधा	पौधे

I) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानिए। (एकवचन/ बहुवचन)

जैसे- लड़की- एकवचन, लड़कियाँ- बहुवचन

1) बत्तख = ______________ 6) कपड़ा = ______________

2) किताबें = ______________ 7) मूर्तियाँ = ______________

3) झाडुएँ = ______________ 8) कुत्ते = ______________

4) तस्वीर = ______________ 9) मछली = ______________

5) जूते = ______________ 10) सड़क = ______________

II) निम्नलिखित शब्दों के एकवचन लिखिए।

जैसे- लोटे - लोटा

1) बिल्लियाँ = ____________________

2) कुत्ते = ____________________

3) आँखें = ____________________

4) खिड़कियाँ = ____________________

5) नदियाँ = ____________________

III) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए।

जैसे- गुब्बारा- गुब्बारे

1) टोपी = ____________________

2) साड़ी = ____________________

3) अलमारी = ____________________

4) तितली = ____________________

5) कौआ = ____________________

IV) चित्र देखकर वस्तू गिनकर एकवचन है या बहुवचन लिखिए।

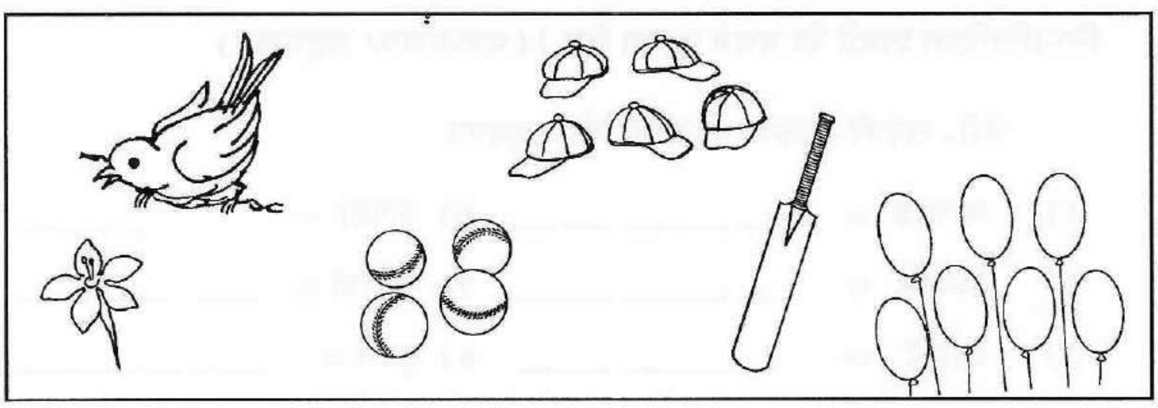

एकवचन	**बहुवचन**
	टोपियाँ

पाठ 5

लिंग और वचन के अनुसार क्रिया रुप परिवर्तन

इस पाठ में हम देखेंगे कि क्रियाएँ संज्ञा के वचन के अनुसार कैसे बदलती हैं। अब हम पुल्लिंग और वचन के अनुसार क्रिया का रुप परिवर्तन सीखेंगे। जैसे-

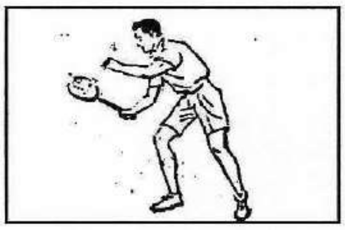

लड़का खेलता है।

लड़के खेलते हैं।

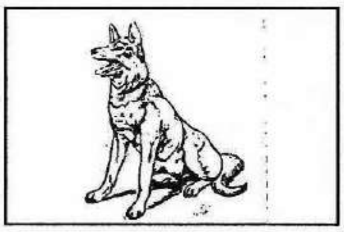

कुत्ता बैठा है।

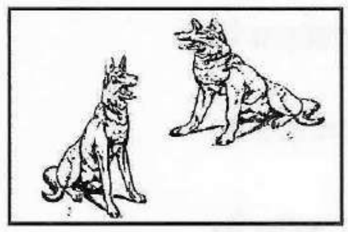

कुत्ते बैठे हैं।

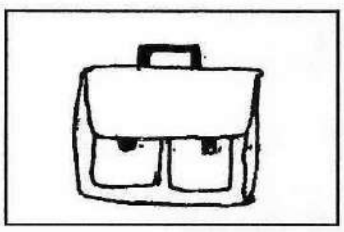

बस्ता खुला है।

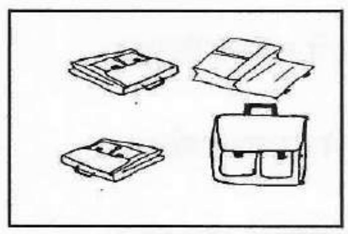

बस्ते खुले हैं।

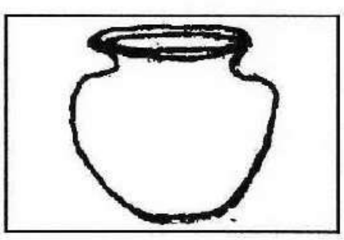

एक **लोटा रखा** है।

एकवचन

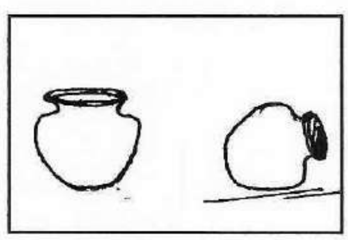

दो **लोटे रखे** हैं।

बहुवचन

इन वाक्यों से पता चलता है कि जब पुल्लिग संज्ञा का वचन एकवचन से बहुवचन में बदलता है तब उससे जुड़ी क्रिया का आकारांत रुप एकारांत में बदलता है।

जैसे- लड़का खेलता है- लड़का - एकवचन

खेलता - क्रिया का आकारांत रुप

लड़के खेलते हैं - लड़के - बहुवचन

खेलते - क्रिया का एकारांत रुप

और कुछ वाक्य पढ़िए और समझिए।

1) आदमी बैठा है।	आदमी बैठे हैं।
2) बंदर कूदता है।	बंदर कूदते हैं।
3) शेर दहाड़ता है।	शेर दहाड़ते हैं।
4) घोड़ा दौड़ता है।	घोड़े दौड़ते हैं।
5) कौआ उड़ता है।	कौए उड़ते हैं।
6) राजू ने जूता पहना।	राजू ने जूते पहनें।
7) नौकर ने पतीला गिराया।	नौकर ने पतीले गिरायें।
8) रीमा ने दरवाजा खोला।	रीमा ने दरवाजे खोले।
9) मोहन पटाखा फोड़ता है।	मोहन और सोहम पटाखें फोड़ते हैं।
10) बच्चा पढ़ता है।	बच्चे पढ़ते हैं।

अब हम स्त्रीलिंग और वचन के अनुसार क्रिया का रूप परिवर्तन कैसे होता है, सीखेंगे। जैसे-

एकवचन	**बहुवचन**
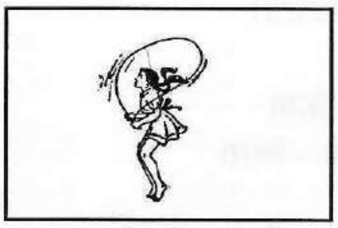	
लड़की खेलती है।	**लड़कियाँ खेलती हैं।**
	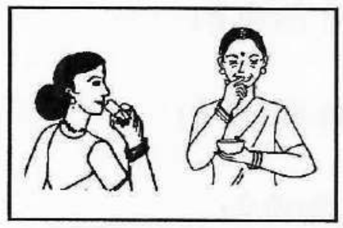
औरत खाती है।	**औरतें खाती हैं।**
लड़की दौड़ती है।	**लड़कियाँ दौड़ती हैं।**
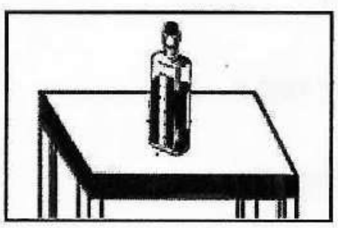	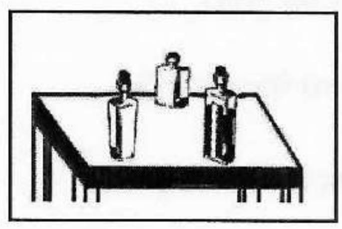
बोतल रखी है।	**बोतलें रखी हैं।**
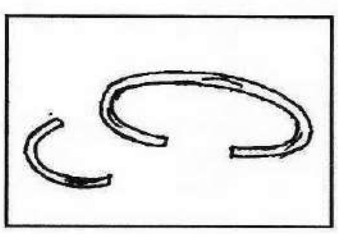	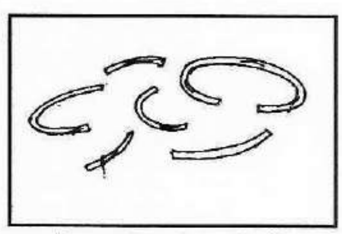
यह चूड़ी टूटी है।	**ये चूड़ियाँ टूटी हैं।**

निम्नलिखित

इन वाक्यों से पता चलता है कि जब स्त्रीलिंग संज्ञा का वचन एकवचन से बहुवचन में बदलता है तब उससे जुड़ी क्रिया का रुप वाक्य में नहीं बदलता।

जैसे- लड़की खेलती है। लड़की - एकवचन खेलती - क्रिया
लड़कियाँ खेलती है। लड़कियाँ - बहुवचन खेलती - क्रिया

और कुछ वाक्य पढ़िए और समझिए।

1) मछली तैरती है।	मछलियाँ तैरती हैं।
2) बिल्ली खेलती है।	बिल्लियाँ खेलती हैं।
3) रानी हँसती है।	रानियाँ हँसती हैं।
4) नदी बहती है।	नदियाँ बहती हैं।
5) चाबी गिरी।	चाबियाँ गिरी।
6) लडकी दौड़ी।	लड़कियाँ दौड़ी।
7) रोटी खायी।	रोटियाँ खायी।
8) चुनरी उड़ गयी।	चुनरियाँ उड़ गयी।
9) गिलहरी पेड़ पर चढ़ी।	गिलहरियाँ पेड़ पर चढ़ी।
10) दुकान में माला रखी है।	दुकान में मालाएँ रखी हैं।

I) क्रियाओं के रूप वचन के अनुसार पहचानकर लिखिए (एकवचन / बहुवचन)

जैसे- राजा ने आम खाए। क्रिया- खाए- बहुवचन

1) राजू ने खत लिखे। = ____________________

2) पिताजी ने लड्डू खाया। = ____________________

3) मैंने कपड़े खरीदे। = ____________________

4) किताबें खुली हैं। = ____________________

5) कुत्ता दौड़ता है। = ____________________

II) सही क्रिया पर गोल कीजिए।

जैसे - पिताजी ने बस्ते खरीदा / (खरीदे) ।

1) राजू के पास दो छाते थे / था।

2) लड़के ने कुर्ता पहने / पहना है।

3) जोकर को देखकर बच्चे हँसने लगे / हँसने लगा।

4) कक्षा में लड़का बैठा / बैठे है।

5) कुत्ता पेड़ के नीचे सोये / सोया था।

III) निम्नलिखित तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए ।

1) 2) 3) 4) 5)	गधा घोड़े लड़की बंदर लड़के	कूदता चलता दौड़ते पढ़ती सोते कूदते	है। हैं।

1) ______________________________

2) ______________________________

3) ______________________________

4) ______________________________

5) ______________________________

IV) रेखांकित शब्दों के वचन के अनुसार सही वाक्य लिखिए।

जैसे- माँ ने कपड़ा धोया। = माँ ने कपड़े धोए।

1) मीना ने छाता खरीदा। = ______________

2) तोते बोलते है। = ______________

3) कौआ पेड़ पर बैठा है। = ______________

4) बच्चे खेलते हैं। = ______________

5) मुर्गा पानी पीता है। = ______________

पाठ 6

संज्ञा के विकारी रुप

हम ने अब तक यह देखा कि क्रिया का रुप संज्ञा, के वचन और लिंग के अनुसार बदलता है। संज्ञा के लिंग और वचन से क्रिया का रुप कैसे बदलता है यह भी देखा। संज्ञा शब्द का वचन एकवचन या बहुवचन होता है। जैसे लड़का (एकवचन), लड़के (बहुवचन) कभी कभी वाक्य में संज्ञा शब्द एकवचन होते हुए भी कारक के कारण (जैसे : ने, को, साथ इत्यादि) बहुवचन का रुप धारण करता है किंतु यह रुप एकवचन ही होता है। इसे संज्ञा के विकारी रुप कहते हैं।

जैसे -

एकवचन	**बहुवचन**
1) लड़का खेल रहा है ।	3) लड़के खेल रहे हैं।
2) लड़के को बुलाओ।	4) लड़कों को बुलाओ।

वाक्य 2 में 'लड़के' यह संज्ञा शब्द देखा तो लडका शब्द का बहुवचन रुप है। किंतु वाक्य में 'लड़के' इस शब्द को 'को' यह कारक लगने से लड़का शब्द का रुप 'लड़के' हो गया। तो यहाँ 'लड़के यह बहुवचन रुप नहीं हैं। इसे विकारी रुप कहते हैं। इसी तरह वाक्य 4 में 'लड़कों' यह भी विकारी रुप है। विकारी रुप कारक के कारण बदलता है।

विकारी रूप निम्नलिखित कारक के कारण बदलते हैं। (ने, को, से, के लिए)

कर्ता :	**ने**
कर्म :	**को, साथ**
करण :	**से**
संप्रदान :	**के लिए, को**
अपादान:	**के वास्ते, से**
संबंध :	**का, के, की**
अधिकरण:	**ने, में, पर**

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्द विकारी रुप है।

एकवचन	**बहुवचन**
1) कर्ता कारक रुप - <u>ने</u>	
लड़का पतंग उड़ाता है।	लड़के पतंग उड़ाते हैं।
लड़के ने पतंग उड़ाई।	लड़कों ने पतंग उड़ाई।
2) कर्मकारक रुप - <u>को, साथ</u>	
यह कमरा है।	ये कमरे हैं।
कमरे को सजाओ।	कमरों को सजाओ।
यह पंछी है।	ये पंछी हैं।
पंछी को दाने दो।	पंछियों को दाने दो।
3) करण कारक रुप - <u>से</u>	
लड़का पेन देता है।	लड़के बॉल देते है।
लड़के से पेन लो।	लड़कों से बॉल लो।
4) संप्रदान कारक - <u>के लिए</u>	
यह बच्चा है।	ये बच्चे हैं।
माँ बच्चे के लिए खाना लायी।	माँ बच्चों के लिए खाना लायी।
5) अपादान कारक - के वास्ते	
मैंने पेड़ से लकड़ी तोड़ी।	मैंने पेडों से लकडियाँ तोड़ी।
पेड़ से पत्ते गिरे।	पेड़ों से पत्ते गिरे।
6) संबंधकारक - <u>का, के, की</u>	
यह ऋषि है।	ये चार ऋषि है।
यह कुटिया ऋषि की है।	ये कुटियाँ ऋषियों की है।
7) अधिकरण कारक	
यह विमान है।	ये चार विमान हैं।
विमान में यात्री बैठे हैं।	विमानों में यात्री बैठे हैं।

निम्नलिखित संज्ञा के एकवचन और बहुवचन रुप समान होने पर भी जब संज्ञा में 'ने', 'को', 'से' इत्यादि कारक शब्द लगते हैं तब संज्ञा का विकारी रुप (बहुवचनीय रुप) में परिवर्तन होता है।

उदाहरणत:

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचनीय परिवर्तन (विकारी रुप)**
घर	घर	घर के	घरों के
मेज	मेज	मेज के	मेजों के
खेत	खेत	खेत में	खेतों में
सैनिक	सैनिक	सैनिक ने	सैनिकों ने
बादल	बादल	बादल में	बादलों में
फल	फल	फल का	फलों का
बालक	बालक	बालक ने	बालकों ने
शहर	शहर	शहर में	शहरों में
खत	खेत	खत में	खतों में
मकान	मकान	मकान से	मकानों से
विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी को	विद्यार्थियों को
नाई	नाई	नाई के	नाइयों के
सिपाही	सिपाही	सिपाही ने	सिपाहियों ने
मोती	मोती	मोती की	मोतियों की
पिता	पिता	पिता के	पिताओं के
नेता	नेता	नेता ने	नेताओं ने
नौकर	नौकर	नौकर से	नौकरों से
आम	आम	आम का	आमों का
शिक्षिका	शिक्षिका	शिक्षिका ने	शिक्षिकाओं ने
कवि	कवि	कवि ने	कवियों ने
ऋषि	ऋषि	ऋषि का	ऋषियों का
व्यक्ति	व्यक्ति	व्यक्ति ने	व्यक्तियों ने
हाथी	हाथी	हाथी की	हाथियों की
मजदूर	मजदूर	मजदूर से	मजदूरों से
अस्पताल	अस्पताल	अस्पताल में	अस्पतालो में
जानवर	जानवर	जानवर को	जानवरों को
नारियल	नारियल	नारियल की	नारियलों की

I) रेखांकित संज्ञा शब्दों के विकारी रुप पहचानिए।

जैसे- मजदूरों ने आज काम किया। = मजदूर- बहुवचन (क्रिया-कर रहे हैं)
मजदूरों- विकारी रुप

1) नेताओं ने भाषण दिया। = विकारी रुप नहीं है।

2) खेतों में मजदूर काम कर रहे हैं। = ____________________

3) क्लास में विद्यार्थी खड़े थे। = ____________________

4) शिक्षकों ने हड़ताल वापस ली। = ____________________

5) नीता ने फलों का रस निकाला। = ____________________

6) मीता ने खत लिखे। = ____________________

7) पंछियों ने घोंसला बनाया। = ____________________

II) सही शब्द लिखिए और वाक्य पूरा कीजिए। (एक / बहुत)

जैसे- चिड़ियाघर में बहुत जानवर होते हैं।

1) माँ ने बाजार से ______________ फल खरीदे ।

2) ______________ राजा सिंहासन पर बैठे थे।

3) पेड़ के नीचे ______________ आदमी बैठा था।

4) ______________ पंछी उड़ गया ।

5) घर में ______________ मेज थी।

IV) वाक्य सही है या गलत यह पहचानिए और गलत वाक्य को सही करके लिखिए।

जैसे- राजा ने सारे सिपाही को आदेश दिया। - गलत वाक्य

राजा ने सारे सिपाहियों को आदेश दिया।

1) तस्वीर पर हारों को चढ़ाओ।

____

2) मोती की माला बनाओ ।

____

3) दादी अस्पताल जाएगी ।

____

4) सभी जानवरों को प्यार करो।

____

5) सारे सैनिक ने कदम ताल किया है ।

____

V) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए ।

जैसे- नारियलों की = माँ ने दो नारियलों की चटनी बनाई।

1) कवियों ने = ______________________________

2) खत में = ______________________________

3) फूलों को = ______________________________

4) मेज के = ______________________________

पुनरावलोकन

I) निम्नलिखित संज्ञाओं के वचन बदलिए ।

एकवचन	बहुवचन
मुर्गा	-------
अलमारी	-------
------	बगीचे
पौधा	------
------	जलेबियाँ
------	रोटियाँ
तितली	------
------	बतखें
आँख	------

II) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन पहचानिए ।

1) मेरे घर में चार <u>कमरे</u> हैं।
2) दादा जी ने <u>चूहों को</u> पकड़ा।
3) निलेश ने <u>टोपी</u> पहनी।
4) <u>लड़के</u> को भूख लगी है।
5) <u>औरतें</u> बाजार जाती हैं।
6) टोकरी <u>फूलों से</u> भरी है।
7) लकड़हारे ने <u>पेड़</u> काटा।
8) राजा ने <u>सिपाहियों</u> को बुलाया।
9) थाली <u>लड्डुओं</u> से भरी हैं।
10) लड़की <u>चाकू</u> से आम काट रही है।

III) रेखांकित क्रियाओं के वचन पहचानिए।

1) कुत्ते <u>सोये</u> हैं ।
2) लड़का बगीचे में <u>खेलता</u> है ।
3) चबूतरे पर आदमी <u>बैठे</u> हैं ।
4) घोड़े तेज <u>दौड़ते</u> है ।
5) बच्चे कापी में <u>लिखते</u> हैं ।

IV) गलत क्रियाओं को सही करके वाक्य फिरसे लिखिए।

1) घोड़े दौड़ता है।
2) कौआ पानी पिते हैं।
3) सब लड़को ने कुर्ते पहना थे।
4) रवि ने गुस्से से जूते फेंका।
5) माँ ने कपड़ा खरीदे।
6) सभी नेताओं की भीड़ लगा था।
7) मैंने चार आम खाया।
8) मजदूर ने खाना खाया।
9) पिताजी अस्पताल में गया।
10) राजाओं को आमत्रंण दो।

विशेषण के रुप परिवर्तन

संज्ञा के लिंग, वचन के भेद हमने पढ़े। इस पाठ में हम विशेषण के रुप परिवर्तन सीखेंगे। जब विशेषण संज्ञा से जुड़ता है तब संज्ञा के रुप के अनुसार विशेषण का रुप भी बदलता है। निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और समझिए।

एकवचन **बहुवचन** **एकवचन** **बहुवचन**

पुल्लिंग पेड़

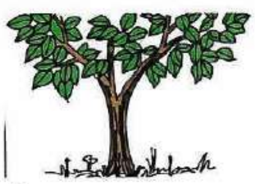

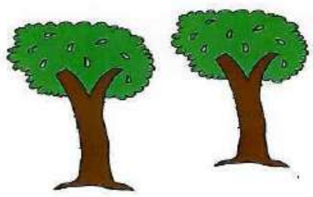

यह हरा पेड़ है। **ये दो हरे पेड़ है।**

यह पेड़ संज्ञा पुल्लिग है। जब पेड यह संज्ञा एकवचन से बहुवचन हो जाती है तब विशेषण हरा का रुप हरे हो जाता है।
मगर स्त्रीलिंग संज्ञा हो तो ऐसा नहीं होता।

स्त्रीलिंग साड़ी

यह हरी साड़ी है। यह दो हरी साड़ियाँ हैं।

यहाँ साड़ी संज्ञा स्त्रीलिंग है। जब साड़ी यह संज्ञा एकवचन से बहुवचन हो जाती है तब विशेषण का रुप 'हरी' वचन के साथ बदलता नहीं है।

जैसे

पुल्लिंग लड़का

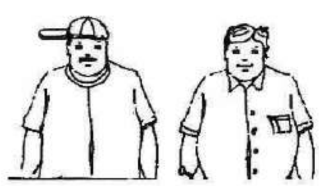

यह लड़का मोटा है। **यह लड़के मोटे हैं।**

जब संज्ञा पुल्लिंग होती है तब वचन के अनुसार विशेषण का रुप बदलता है।

स्त्रीलिंग लड़की

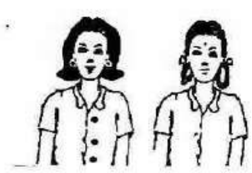

यह लड़की पतली है। यह लड़कियाँ पतली हैं।

लेकिन जब संज्ञा स्त्रीलिंग होती है तब वचन के अनुसार रुप बदलता नहीं हैं।

पढ़िए और समझिए।

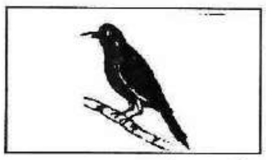
यह काला कौआ है।

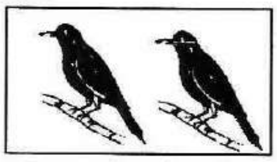
ये काले कौए है।

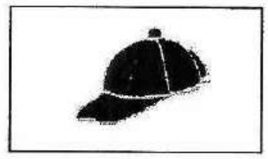
यह काली टोपी है।

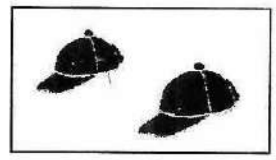
दो काली टोपियाँ हैं।

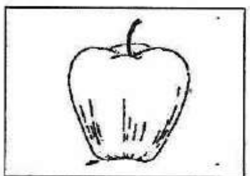
यह ताजा सेब है।

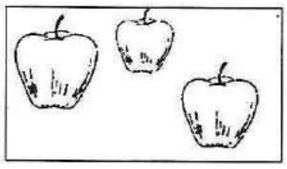
यह ताजे सेब हैं

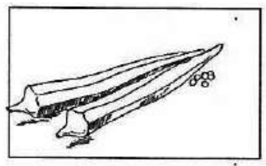
यह ताजी सब्जी है।

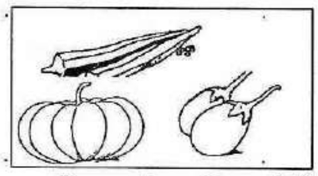
ये ताजी सब्जियाँ हैं।

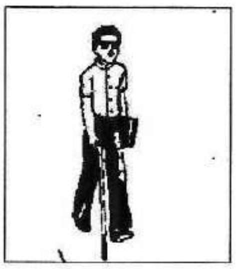
यह अंधा लड़का है।

ये अंधे लड़के हैं।

यह अंधी लड़की है।

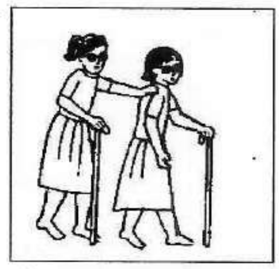
ये अंधी लड़कियाँ हैं।

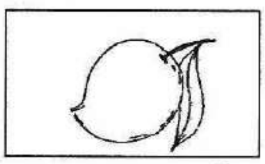
यह खट्टा आम है।

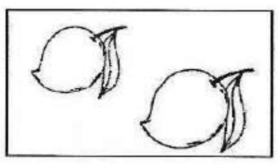
ये खट्टे आम हैं।

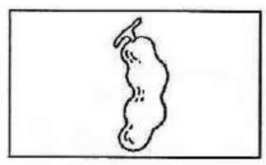
यह खट्टी इमली है।

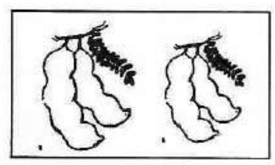
ये खट्टी इमलियाँ हैं।

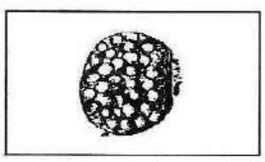
यह मीठा लड्डू है।

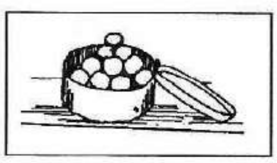
ये मीठे लड्डू है।

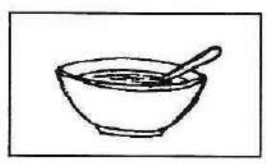
यह मीठी जलेबी है।

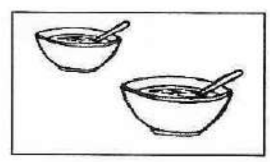
ये मीठी जलेबियाँ हैं।

यह पुराना घर है।

ये पुराने घर हैं।

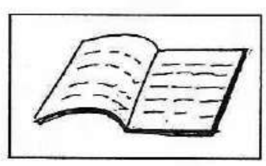
यह पुरानी किताब है।

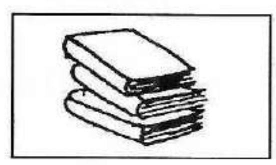
ये पुरानी किताबें हैं।

I) विशेषण के सही रूप लिखिए ।

पीला

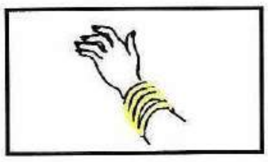 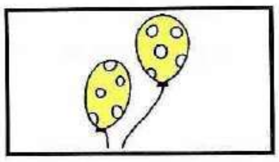 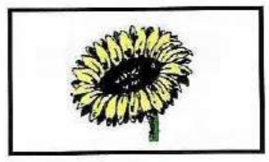

______ चूड़ियाँ ______ गुब्बारे ______ फूल ______ चद्दर

खट्टा

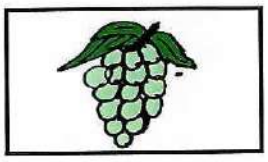 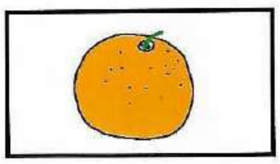 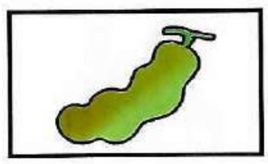 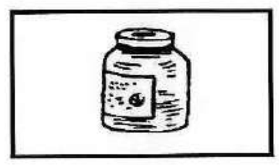

______ अंगूर ______ संतरा ______ इमली ______ अचार

अच्छा

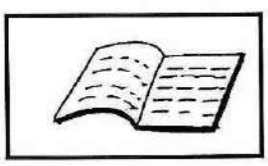 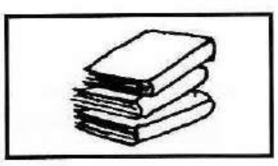 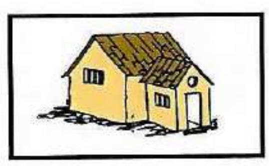

______ किताब ______ किताबें ______ घर ______ बच्चे

ऊँचा

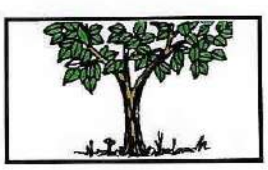

______ पेड़ ______ लड़की ______ लड़का ______ औरतें

II) रेखांकित शब्दों के उचित लिंग पहचानकर उसपर ( ) चिन्ह लगाइए ।

जैसे- राम का घर बहुत बड़ा है। = विशेषण- बड़ा- पुल्लिंग /स्त्रीलिंग

1) बगीचे में ऊँचा पेड़ है। = ______________

2) रस्सी पतली है। = ______________

3) वह लड़का प्यारा है । = ______________

4) ये दिवारें कच्ची हैं। = ______________

5) बाल्टी नीली है। = ______________

III) रेखांकित विशेषणों के वचन का रुप पहचानिए और लिखिए।

जैसे- बगीचे में खेल रहे सारे बच्चे बहुत प्यारे थे। = विशेषण-प्यारे-बहुवचन

1) इमारतें ऊँची हैं। = ______________

2) बड़े-बड़े शहरो में अस्पताल होते हैं। = ______________

3) लड़की के बाल काले हैं। = ______________

4) यह दरवाजा ऊँचा है। = ______________

5) मैंने कच्चा अमरूद खाया। = ______________

6) बगीचे में ऊँचे पेड़ है। = ______________

7) यह लड़का प्यारा है। = ______________

8) यह दीवार कच्ची है। = ______________

9) रास्ते पर दो अंधे आदमी थे। = ______________

10) बड़े थैले ले जाओ । = ______________

IV) **विशेषण के उचित रूप पर गोल कीजिए।**

जैसे- मौसी के सूट का कपड़ा काली था।
(काला)

1) तोता हरी मिर्च खाता है।
हरा

2) कपड़े पतले रस्सी पर सूख रहे हैं।
पतली

3) शहरो में लम्बे रास्ते होते हैं।
लम्बा

4) बड़ा थाली में फूल रखे हैं।
बड़ी

5) वह बहुत प्यारा बच्चा है।
प्यारी

V) **निम्नलिखित तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए।**

पिताजी	का	कुर्ता	लम्बी लम्बा	
बच्चे	की	गेंद	पीली	है। हैं।
माँ	कें	साड़ी	गन्द गन्दी	
लड़की		हाथ	गन्दा	

पाठ 4

सर्वनाम के रुप परिवर्तन

पिछले पाठ में हमने विशेषण के रुप परिवर्तन सीखें। इस पाठ में हम सर्वनाम के रुप संज्ञा के वचन और लिंग के अनुसार कैसे बदलते हैं यह सीखेंगे। जैसे संज्ञा के लिंग और वचन के अनुसार विशेषण बदलते हैं वैसे संज्ञा के लिंग और वचन के अनुसार सर्वनाम बदलते हैं। जैसे :

यह मेरा लड़का है।
यह मेरी लड़की है।

इन वाक्यों मे रेखोकित सर्वनाम, पुल्लिग एकवचन - 'लड़का' एवं स्त्रीलिंग एकवचन - 'लड़की' के अनुसार **बदलते हैं**।

मगर

यह मेरी लड़की है।
ये मेरी लड़कियाँ हैं।

इन वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम स्त्रीलिंग एकवचन - 'लड़की' एवं स्त्रीलिंग बहुवचन 'लड़कियाँ' के अनुसार **नहीं बदलते** हैं।

किंतु

यह मेरा लड़का है।
ये मेरे लड़के हैं।

इन वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम पुल्लिग एकवचन - 'लड़का', एवं पुल्लिग बहुवचन- लड़के के अनुसार **बदलते हैं**।

संज्ञा के वचन, लिंग के अनुसार सर्वनाम के भी रूप बदलते हैं।

.जैसे : मेरा बेटा मेरे बेटे

पुल्लिग संज्ञा एकवचन	**पुल्लिग संज्ञा बहुवचन**	**स्त्रीलिंग संज्ञा एकवचन**	**स्त्रीलिंग संज्ञा बहुवचन**
मेरा बेटा	मेरे बेटे	मेरी बेटी	मेरी बेटियाँ
मेरा पेन	मेरे पेन	मेरी पेंसिल	मेरी पेंसिले
मेरा डिब्बा	मेरे डिब्बे	मेरी रोटी	मेरी रोटियाँ
मेरा बस्ता	मेरे बस्ते	मेरी सहेली	मेरी सहेलियाँ
मेरा घर	मेरे घर	मेरी आँख	मेरी आँखें
तुम्हारा घर	तुम्हारे घर	तुम्हारी आँख	तुम्हारी आँखें
तुम्हारा बेटा	तुम्हारे बेटे	तुम्हारी बेटी	तुम्हारी बेटियाँ
तुम्हारा पेन	तुम्हारे पेन	तुम्हारी पेंसिल	तुम्हारी पेंन्सिलें
तुम्हारा बस्ता	तुम्हारे बस्ते	तुम्हारी सहेली	तुम्हारी सहेलियाँ
तुम्हारा डिब्बा	तुम्हारे डिब्बे	तुम्हारी रोटी	तुम्हारी रोटियाँ
उसका बेटा	उसके बेटे	उसकी बेटी	उसकी बेटियाँ
उसका पेन	उसके पेन	उसकी पेंसिल	उसकी पेंसिलें
उसका डिब्बा	उसके डिब्बे	उसकी रोटी	उसकी रोटियाँ
उसका बस्ता	उसके बस्ते	उसकी सहेली	उसकी सहेलियाँ
उसका घर	उसके घर	उसकी आँख	उसकी आँखे
इसका बेटा	इसके बेटे	इसकी बेटी	इसकी बेटियाँ
इसका पेन	इसके पेन	इसकी पेंसिल	इसकी पेंसिलें
इसका डिब्बा	इसके डिब्बे	इसकी रोटी	इसकी रोटियाँ
इसका बस्ता	इसके बस्ते	इसकी सहेली	इसकी सहेलियाँ
इसका घर	इसके घर	इसकी आँख	इसकी आँखें
हमारा बेटा	हमारे बेटे	हमारी बेटी	हमारी बेटियाँ
हमारा पेन	हमारे पेन	हमारी पेंसिल	हमारी पेंसिंले
हमारा डिब्बा	हमारे डिब्बे	हमारी रोटी	हमारी रोटियाँ
हमारा बस्ता	हमारे बस्ते	हमारी सहेली	हमारी सहेलियाँ
हमारा घर	हमारे घर	हमारी आँख	हमारी आँखें

पुल्लिग संज्ञा एकवचन	पुल्लिग संज्ञा बहुवचन	स्त्रीलिंग संज्ञा एकवचन	स्त्रीलिंग संज्ञा बहुवचन
आपका बेटा	आपके बेटे	आपकी बेटी	आपकी बेटियाँ
आपका पेन	आपके पेन	आपकी पेंसिल	आपकी पेंसिले
आपका डिब्बा	आपके डिब्बे	आपकी रोटी	आपकी रोटियाँ
आपका बस्ता	आपके बस्ते	आपकी सहेली	आपकी सहेलियाँ
आपका घर	आपके घर	आपकी आँख	आपकी आँखें

रेखांकित सर्वनाम शब्दों का रुप संज्ञा के जिस लिंग के रुप से जुड़ता है उसपर ( )निशान लगाइए ।

जैसे- यह बस्ता तुम्हारा है? = तुम्हारा-पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

1) पेंसिल मेरी है। = ____________

2) उसका बस्ता हल्का है। = ____________

3) हमारी किताब फट गयी। = ____________

4) आपका घर दूर है। = ____________

5) इसकी आँखे सुंदर हैं। = ____________

रेखांकित सर्वनाम शब्दों का रुप संज्ञा के जिस वचन के रुप से जुड़ता है उसपर ( ) निशान लगाइए ।

जैसे- मेरे खिलौने कहाँ हैं? = मेरे-एकवचन/बहुवचन

1) आपका जूता फट गया है। = ____________

2) हमारी सहेलियाँ आ रही हैं। = ____________

3) इसका बॉल खो गया। = ____________

4) तुम्हारे दोस्तों से मिलाओ। = ____________

5) उसकी किताबें गिर गयी। = ____________

III) उचित शब्द पर गोल कीजिए ।

जैसे- यह (उसकी) फ्रॉक है।
उसका

1) मेरे चाची के दाँत गिर गये ।
मेरी

2) आपका घड़ी सुंदर है ।
आपकी

3) इसका पेन कहाँ है ?
इसकी

4) तुम्हारे कपड़े गंदे हैं।
तुम्हारा

5) उसका कुर्ता लाल है ।
उसकी

6) मेरा पाठशाला बहुत बड़ी है।
मेरी

7) आपकी बगीचे में सुंदर फूल खिले हैं।
आपके

IV) निम्नलिखित तालिका की सहायता से 10 वाक्य बनाइए।

उसके इसका हमारे तुम्हारी आपका आपकी	बच्चे गाँव बगीचा पाठशाला घर	बहुत	बड़ा/बड़े/ बड़ी अच्छा / अच्छे / अच्छी	है। हैं।

पुनरावलोकन

I) रेखांकित विशेषणों के लिंग पहचानिए।

1) लड़के की टोपी काली है ।
2) दादी जी का थैला बड़ा है ।
3) लस्सी बहुत अच्छी है।
4) भिखारिन ने पुरानी साड़ी पहनी थी।
5) कभी बुरा काम नही करना चाहिए।

II) रेखांकित विशेषणों के वचन पहचानिए।

1) पिताजी ने ताजे सेब खरीदे ।
2) आम खट्टा है ।
3) माँ ने पुराने कपड़े गरीब लड़के को दिए ।
4) राजू प्यारा लड़का है ।
5) नेहरूजी को बच्चे पसंद थे।

III) रेखांकित सर्वनामों के लिंग पहचानिए।

1) यह मेरी किताब है।
2) आपका घर सुंदर है।
3) इसकी पेंसिल खो गयी ।
4) तुम्हारा बस्ता खुला है ।
5) उसकी आँखें नीली हैं ।

आओ हिंदी सीखे

* रोचकता से हिंदी भाषा सिखाने के लिए आओ हिंदी सीखे पुस्तक मालिका 3 स्तरों पर उचित क्रम से (जैसे- सरलतम से कठिनतम) की गयी है।

* ये किताबें आकर्षक चित्रों से, मनोरंजक कहानियों से तथा पात्रों से परिपूर्ण हैं, जिससे बच्चा आसानी से एवम् सरलता से हिंदी भाषा सीख पाएगा।

* इसमें दी हुई गतिविधियाँ बच्चों को पढ़ाई हुई संकल्पना स्थिर और दृढ़ करने में प्रयत्न करती हैं।

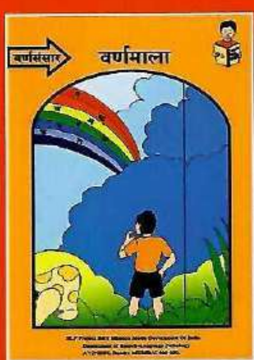

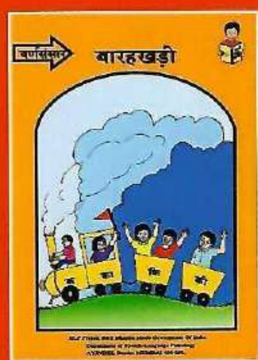

भाग-1 वर्ण संसार
- वर्णमाला
- बारहखड़ी
- संयुक्ताक्षर

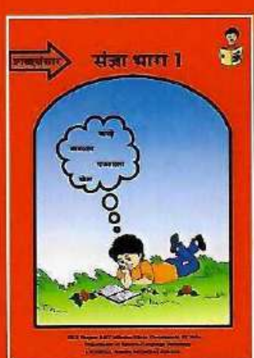

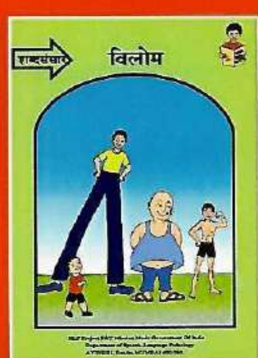

शब्द संसार
भाग -1
- संज्ञा भाग -1
- संज्ञा भाग -2
- संज्ञा भाग -3
- संज्ञा भाग -4
- विलोम

शब्द संसार
भाग -2
- शब्द एक अर्थ अनेक
- अर्थ एक शब्द अनेक
- विशेषण
- अनुप्रासक शब्द
- ऊनार्थक

भाग -3
- क्रिया
- क्रिया काल रूप
- प्रेरणार्थक क्रिया
- शब्द रूप परिवर्तन
- सर्वनाम

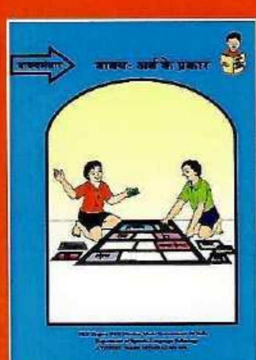

वाक्य संसार
- वाक्य-1 वाक्य के अवयव
- वाक्य-2 रचना के प्रकार
- वाक्य-3 अर्थ के प्रकार
- वाक्य-4 वाच्य के प्रकार
- वाचन और लेखन कौशल्य

* भाषिक वातावरण का निर्माण करके बच्चों में पढ़ने की इच्छा बढ़ाती है।